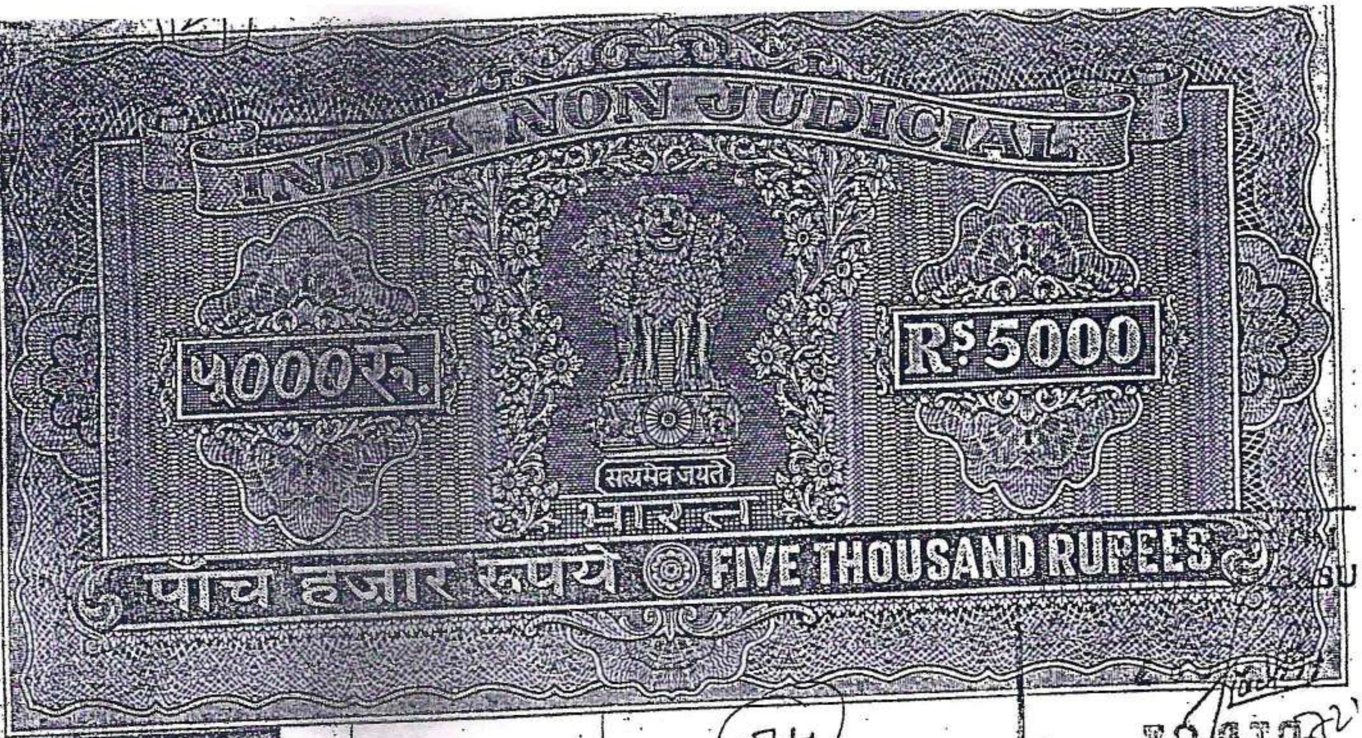

T.O./S.T.O.
Lucknow Collectorate

174

दस्तावेज लेखक
रजिस्ट्री-लखनऊ

श्रीवास्तव
दस्तावेज लेखक
रजिस्ट्री-लखनऊ

बिक्रय मूल्य	रु0	75,000=00
बाजारु मूल्य	रु0	94,023=44
स्टाम्प	रु0	9,500=00
परगना	ल ख न ऊ	

::— बिक्रयपत्र —::

मैं मोहम्मद नईम पुत्र श्री रशीद अहमद, निवासी मुकारिमनगर बरवलिया, डालीगंज, शहर लखनऊ बहैसियत सचिव, न्यू आजाद सहकारी आवास समिति लि0, लखनऊ निबंधन संख्या-257, स्थित मुकारिमनगर, बरवलिया, शहर लखनऊ का हूँ ।

राजकीय कारागार, ...

दिनांक ....

कुल .... मनरल स्टाम्प

ग्राम .... श्रीविजेंद्र कुमार

द्वारा ....

7500/- 94025/44

निवास ....

गवाही में

गवाह: .... (तृतीय)

4/11/2000

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

::2::

जोकि विक्रेता ने हिस्सा दो बटा तीन (2/3) बाबत आराजी - भूमिधरी खसरा नम्बरी-174 (एक सौ चौहत्तर), तादादी छः (6) बीघा सात (7) बिस्वान्सी अर्थात 1·522 हेक्टेयर, वाके ग्राम उत्तरधौना, परगना व तहसील व जिला लखनऊ को जरिए बयनामा रजिस्ट्रीशुदा दिनाँक 23/8/199 श्री छोटेलाल व श्री शंकरलाल से खरीद किया है, जिसकी फोटोस्टेट प्रति पु संख्या-एक, खण्ड-4613, पृष्ठ-145/150, क्रम संख्या-864 पर दिनाँक - 1/2/1999ई0 को कार्यालय उपनिबंधक (प्रथम), लखनऊ में रजिस्ट्रीकृत की गई उक्त आराजी हिस्सा दो बटा तीन (2/3) का रकबा चार (4) बीघा दो (2 बिस्वान्सी सात (7) कचवान्सी होता है, जिसका दाखिल खारिज कागजात सरकारी में विक्रेता के नाम हो गया है, जो विक्रेता के कब्जे व दखल मालि

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

T.O./C.T.O.
Lucknow Collectorate

::3::

ना में मौजूद है और हर प्रकार के विवादों जैसे रेहन व बय व हिबा व जमानत व कुर्की व डिग्री व ऋण वगैरह से पूर्णतया मुक्त है । अब बजरूरत खुद विक्रेता ने उसी हिस्सा दो बटा तीन§2/3§ आराजी रकबा चार§4§बीघा दो§2§बिस्वा सात§7§कचवान्सी में से एक बटा चार§1/4§भाग अर्थात सम्पूर्ण आराजी खसरा नम्बरी-174, तादादी छः§6§बीघा सात§7§बिस्वान्सी के एक बटा छः§1/6 भाग को मय तमामी हक व हुकूक बिना छोड़े किसी चीज व हक के दुरुस्त होश हवास में खूब सोच व समझ कर बिना किसी अनुचित दबाव के अपनी खुशी एवं रजामन्दी से बिलएवज मुबलिग 75,000/=रुपया §पचहत्तर हजार रुपया§ वि आधे जिसके मुबलिग 37,500/=रुपया §सैंतिस हजार पाँच सौ रुपया§ होते श्री अखिलेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री एच0 पी0 गुप्ता, निवासी भवन संख्या-4

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

F.O./S.T.O.
Lucknow Collectorate

विशालखण्ड, गोमतीनगर, शहर लखनऊ (क्रेता) के बय कामिल व फरोख्त कतः किया और कुल बिक्रय मूल्य अन्त में दिए हुए विवरण अनुसार उक्त क्रेता से प्राप्त करके कब्जा व दखल मालिकाना आराजी बिक्रीशुदा पर आज की तारीख से उक्त क्रेता को बखूबी करा दिया, अब बिक्रेता का कोई दावा व हक निस्बत आराजी बिक्रीशुदा व वसूलयाबी बिक्रय मूल्य के उक्त क्रेता से बाकी नहीं रहा, अगर कोई दावा करे तो वह बिलकुल नाजायज होवे, और अगर आराजी बिक्रीशुदा की हकीयत व मिलकियत के बारे में कोई झग निकले या आराजी बिक्रीशुदा कहीं रेहन व बय व हिबा आदि पायी जाये तो ऐसी सूरत में उक्त क्रेता को अधिकार होगा कि अपना कुल बिक्रय मूल्य मय हर्जा खर्चा व नुकसान बिक्रेता व बिक्रेता की अन्य जायदाद चल व अचल

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

T.O./C.T.O.
Lucknow Collectorate

::5::

से जरिए अदालत मय खर्चा के वसूल कर लेवें, विक्रेता को कोई उज्र व आपत्ति नहीं होगी ।

मुसल्लम आराजी का लगान 37/=रुपया 60 पैसा सालाना है, जिसके 1000 (एक हजार) गुने के अनुसार मुसल्लम आराजी की मालियत मुबलिग 37,600/=रुपया होती है ।

परगना लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कृषि भूमि की बाजार कीमत बहिसाब 1,50,000/=रुपया प्रति एकड़ अर्थात 93,750/=रुपया प्रति बीघा निर्धारित है, जिसके अनुसार सम्पूर्ण आराजी तादादी छः (6) बीघा

::6::

सात§7§बिस्वान्सी की मालियत मुबलिग 5,64,140/=रुपया 62 पैसा होती

इस तौर से हिस्सा एक बटा छः §1/6§ भाग आराजी विक्रीशुदा की मालियत

मुबलिग 94,023/=रुपया 44पैसा होती है । जिस पर नियमानुसार जनरल

स्टाम्प अदा किया जा रहा है ।

आराजी विक्रीशुदा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित है ।

आराजी विक्रीशुदा में कोई पेड़ या निर्माण या कुआँ व टयूबवेल

नहीं है ।

आराजी विक्रीशुदा काश्त होती है और बगरज काश्त बय की जा

रही है ।

आराजी बिक्रीशुदा के कुल लगान वगैरह आज की तारीख तक अदा व बेबाक है, अगर आज की तारीख तक आराजी बिक्रीशुदा के कोई लगान वगैरह बकाया होंगे तो उनके अदा करने की जिम्मेदारी बिक्रेता प रहेगी आज की तिथि के पश्चात उक्त क्रेता आराजी बिक्रीशुदा के लगान वगैरह अदा करें, इसमें बिक्रेता व उत्तराधिकारी बिक्रेता को कोई उज्र व आपत्ति नहीं होगी ।

क्रेता को अधिकार है कि वह आराजी बिक्रीशुदा का दाखिल खारिज सरकारी अभिलेखों में अपने नाम करा लेवें तथा आराजी बिक्रीशु के लगान वगैरह अदा करें इसमें बिक्रेता व उत्तराधिकारी बिक्रेता को

::8::

या भविष्य में कोई उज्र व आपत्ति नहीं होगी ।

क्रेता अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है ।

विक्रेता ने आराजी बिक्रीशुदा को बाबत कोई इकरारनामाबर किसी अन्य व्यक्ति के पक्ष में रजिस्ट्रीशुदा या बिला रजिस्ट्रीशुदा नहीं किया है ।

आराजी बिक्रीशुदा नगर निगम तथा नगर पंचायत सीमा के अन्तर्गत नहीं आती है ।

लिहाजा यह दस्तावेज "विक्रयपत्र" विक्रेता ने अपनी खुशी एवम् रजामन्दी से बिना किसी अनुचित दबाब के दुरूस्त होश हवास में खूब सोच व समझ कर बहक क्रेता श्री अखिलेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री एच0 पी0 गुप्ता कर लिख दिया ताकि सनद रहे और समय पर काम आवे ।

चौहददी सम्पूर्ण आराजी खसरा नम्बर-174 :--

पूरब	:--	नाला ।
पश्चिम	:--	आराजी खसरा नम्बर-169 व 173.
दक्षिण	:--	सड़क फैजाबादरोड ।
उत्तर	:--	नाला ।

INDIA NON JUDICIAL

Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

::— विवरण प्राप्ति विक्रय धनराशि मुबलिग 75,000/= रुपया —::

विक्रेता ने क्रेता महोदय से कुल विक्रय मूल्य नकद प्राप्त किया मु0 75,000/= रुपया

(पचहत्तर हजार रुपया) ।

अब विक्रेता को क्रेता महोदय से कोई धनराशि प्राप्त करना शेष नहीं रही है ।

———::———

हस्ताक्षर विक्रेता

लखनऊ : दिनाँक

4/जनवरी/2000ई0

साक्षीगण :—

(1) मकबूल अहमद पिता नज़ीर अली

पता:- चिनहट, लखनऊ

हस्ताक्षर क्रेता

(2) एस.एन. वर्मा

पता:- मड़ियांव लखनऊ

दस्तावेज़ लेखक का नाम [illegible] श्रीवास्तव

अनुज्ञप्ति संख्या-3 दि. 31.3.2001 तक विधिमान्य

जिला और स्थान लखनऊ

ली गई फीस .... 15[illegible]

टाईपकर्ता:-

क्र. सं. ---- दिनांक
कीमत 1002 नाम अखिलेन्द्र कुमार गुप्ता
पता
द्वारा
संजय निगम स्टाम्प विक्रेता
उप रजिस्ट्रार कार्या.ला. लखनऊ

4-1-2000

2880